देश के लिए... अव्यवस्था के खिलाफ... ™

जवाब दो!!! सरकार
www.jawabdosarkar.com
देश का पहला जवाबदेही पोर्टल

# JAWAB DO SARKAR

www.jawabdosarkar.com

(A Digital Media Initiative to promote Accountability)

रेफरेंस संख्या –2022/mmp/07 | E-Newsletter, Issued in Public Interest | सोमवार, 17 जनवरी 2022


# छोटे भूखंडो पर बन रहे बहु-आवास इकाईयों के प्रोजेक्ट ऑनलाइन करने के लिए जेडीए कमिश्नर श्री गौरव गोयल और मुख्य प्रवर्तन नियंत्रक श्री रघुवीर सैनी का आभार!!!

भाग-1



सिटी प्राइम एकर

किस जोन में कितने छोटे भूखंडों पर प्रोजेक्ट अप्रूव हुए हैं, उनकी भी जानकारी ले सकेंगे ग्राहक

## छोटे भूखंडों की बहु आवासीय इकाइयों के प्रोजेक्ट को अब ऑनलाइन करेगा जेडीए

*अब तक जेडीए की वेबसाइट पर अवैध कॉलोनियों और सील इमारतों की सूची उपलब्ध है*

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

...श्विनी भदौरिया
...trika.com

...यपुर. जेडीए अब छोटे भूखंडों पर ...नुमति ... बहु आवासीय ... ऑनलाइन करेगा। ग्राहकों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए जेडीए ने यह निर्णय लिया है। इसकी सूची भी तैयार कर ली है, जिसे अगले कुछ दिनों में वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा। इस तरह का प्रयोग जेडीए पहली बार करने जा रहा है।

अब तक जेडीए की वेबसाइट पर अवैध कॉलोनियों और सील ... सूची ही उपलब्ध है। साथ ही ग्रुप हाउसिंग के प्रोजेक्ट की जानकारी ही उपलब्ध है। किस जोन में कितने छोटे भूखंडों पर बहु आवासीय प्रोजेक्ट चल रहे हैं, इनकी सूची आने वाले कुछ दिनों में वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी। इसके अलावा प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग भी जेडीए के जोन कार्यालय की ओर से की जाएगी। जोन की टीम देखेगी कि अनुमति के हिसाब से निर्माण कार्य चल रहा है या नहीं। यदि निर्माण कार्य अनुमति के विपरीत चलता हुआ मिलेगा तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

**ग्राहकों को होगा फायदा:** जो ग्राहक इन फ्लैटों को खरीदना चाहेंगे, वे जेडीए की वेबसाइट पर जाकर देख लेंगे कि प्रोजेक्ट अप्रूव्ड है या नहीं। पिछले कुछ वर्षों में नियमों की अवहेलना कर शहर में इस तरह के प्रोजेक्ट खूब बने हैं।

### हर जगह चल रहे इस तरह के प्रोजेक्ट

- **शहर** के बाहरी इलाकों में छोटे भूखंडों पर बहु आवासीय यूनिट के काम सर्वाधिक हो रहे हैं। पृथ्वीराज नगर क्षेत्र, जगतपुरा, खोनागोरियान के अलावा मालवीय नगर, प्रताप नगर में भी इस तरह के प्रोजेक्ट के काम चल रहे हैं।
- **पिछले** एक से डेढ़ वर्ष में राजधानी में अवैध रूप से छोटे भूखंडों पर बनने वाले बहु आवासीय प्रोजेक्ट पर जेडीए की सख्ती से रोक लगी है। यही वजह है कि ऐसे प्रोजेक्ट पर निर्माणकर्ता जेडीए अप्रूव्ड का बोर्ड लगवा रहे हैं।
- **मौजूदा** स्थिति की बात करें तो राजधानी में जेडीए से अप्रूव्ड 50 से अधिक छोटे भूखंडों पर बहुआवासीय प्रोजेक्ट चल रहे हैं।

### अभी ये हाल

**पिछले** तीन वर्षों में बिल्डिंग बाइलॉज का उल्लंघन कर बनने वाली 84 इमारतों को सील किया। इनमें से 2020 में चार और 2021 में दो इमारतों को न्यायालय के आदेश से खोला गया। बाकी इमारतें सील हैं। इनकी मौका स्थिति के लिए प्रवर्तन शाखा ने टीम गठित की है जो इनको चैक कर रही है। पहले चरण में इन 3 वर्षों में सील की गई इमारतों का मौका निरीक्षण किया जाएगा।

### ग्राहकों को मिलेगी सहूलियत

ग्रुप हाउसिंग और बहु आवासीय फ्लैटों की सूची ... हम पहले से ही वेबसाइट पर डाल... हैं। अब जोन वाइज छोटे भूखंडों ... स्वीकृत की जा रहीं बहु आवासीय इकाइयों की सूची भी जोन वाइज अपलोड करवाएंगे। ताकि, ग्राहक घर खरीदने से पहले देख सकें कि बिल्डिंग जेडीए अप्रूव्ड है या नहीं

**गौरव गोयल**, जेडीसी

## छोटे भूखंडो पर स्वीकृत नक्शो की आड़ मे हो रहे थे अवैध निर्माण!! कई मामले लाये गए जेडीए के संज्ञान मे!!!




*भारतीय संविधान के अनुच्छेद 19(1)(a) के तहत प्रकाशन एवं समस्त प्रकाशन IT Act 2000 के तहत उत्तरदायी
सर्वाधिकार@www.jawabdosarkar.com

## छोटे भूखंडों की बहु आवासीय इकाइयों के प्रोजेक्ट को ऑनलाइन करेगा जेडीए

जेडीए अब छोटे भूखंडों पर अनुमति लेकर बहु आवासीय इकाइयों के प्रोजेक्ट को ऑनलाइन करेगा| ग्राहकों की सहूलियत को ध्यान में रखते हुए जेडीए ने यह निर्णय लिया है इसकी सूची भी तैयार कर ली गई है,जिसे अगले कुछ दिनों में वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा| इस तरह का प्रयोग जेडीए पहली बार करने जा रहा है| अब तक जेडीए की वेबसाइट पर अवैध कॉलोनियों और सील इमारतों की सूची ही उपलब्ध है| साथ ही ग्रुप हाउसिंग के प्रोजेक्ट की जानकारी ही उपलब्ध है| किस जोन में कितने छोटे भूखंडों पर बहू आवासीय प्रोजेक्ट चल रहे हैं,इनकी सूची आने वाले कुछ दिनों में वेबसाइट पर अपलोड कर दी जाएगी| इसके अलावा प्रोजेक्ट की मॉनीटरिंग भी जेडीए के जोन कार्यालय की ओर से की जाएगी| जोन की टीम देखेगी की अनुमति के हिसाब से निर्माण कार्य चल रहा है या नहीं| यदि निर्माण कार्य अनुमति के विपरीत चलता हुआ मिलेगा तो नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी|

## हर जगह चल रहे इस तरह के प्रोजेक्ट,जिनमे कई अवैध भी शामिल

शहर के बाहरी इलाकों में छोटे भूखंडों पर बहू आवासीय यूनिट के काम सर्वाधिक हो रहे हैं, पृथ्वीराज नगर क्षेत्र,जगतपुरा,खोनागोरियांन के अलावा मालवीय नगर,प्रताप नगर में भी इस तरह के प्रोजेक्ट के काम चल रहे हैं|

पिछले एक से डेढ़ वर्ष में राजधानी में अवैध रूप से छोटे भूखंडों पर बनने वाले बहू आवासीय प्रोजेक्ट पर जेडीए की सख्ती से रोक लगी है| यही वजह है कि ऐसे प्रोजेक्ट पर निर्माणकर्ता जेडीए अप्रूव्ड का बोर्ड लगवा रहे हैं|

## ग्राहकों को होगा फायदा

ग्रुप हाउसिंग और बहू आवासीय फ्लैटों की सूची तो जेडीए पहले से ही वेबसाइट पर डालता रहा है| अब ज़ोन वाइज़ छोटे भूखंडों पर स्वीकृत की जा रही बहु आवासीय इकाइयों की सूची भी जोन वाइज अपलोड करवाएंगे| ताकि ग्राहक घर खरीदने से पहले देख सके कि बिल्डिंग जेडीए अप्रूव्ड है या नहीं|जो ग्राहक इन फ्लैटों को खरीदना चाहेंगे,वे जेडीए की वेबसाइट पर जाकर देख ले कि प्रोजेक्ट अप्रूव्ड है या नहीं| पिछले कुछ वर्षों में नियमों की अवहेलना कर शहर में इस तरह के प्रोजेक्ट खूब बने हैं|

## हमारे द्वारा जेडीए के संज्ञान मे लाये गए थे ऐसे कई मामले

जेडीए द्वारा अवैध निर्माणों को रोकने के लाख जतन करने के बावजूद बिल्डर नियम विरुद्ध अवैध निर्माण करने से बाज नहीं आ रहे है|ऐसे कई मामले सामने आ चुके है जिनमे स्वीकृत नक्शो की आड़ मे भी अवैध निर्माण किए जा रहे है|हमारे द्वारा ऐसे कई मामले जेडीए के संज्ञान मे लाये गए थे|जिन पर संज्ञान लेते हुए जेडीए के आला अधिकारियों द्वारा छोटे भूखंडो के स्वीकृत नक्शे ऑनलाइन करने का निर्णय लिया गया|